भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +2100
सोमवार, 2 अगस्त, 2021/11 श्रावण, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना

+2100. श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारत की प्राचीन चिकित्सा और स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति रूचि बढ़ रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या मंत्रालय की भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई योजनाएं या पहल शुरू करने की योजनाएं हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): जी, हां। वैश्विक स्तर पर भारत की प्राचीन चिकित्सा और निरोगता पद्धतियों में रुचि तेजी से बढ़ रही है।

चिकित्सा एवं निरोगता पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत के संवर्धन के लिए एक सुदृढ़ कार्यढांचा तथा केंद्र सरकार के मंत्रालयों, राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के बीच तालमेल बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा चिकित्सा एवं निरोगता पर्यटन हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति तथा रोडमैप का प्रारूप तैयार किया गया है। इस दस्तावेज़ को और अधिक व्यापक बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने अभिज्ञात केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और उद्योग जगत के हितधारकों से राष्ट्रीय कार्य नीति एवं रोड मैप के प्रारूप के संबंध में प्रतिक्रिया/टिप्पणियां/सुझाव आमंत्रित किए हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत के संवर्धन के लिए अनेक कदम उठाए हैं जो निम्नानुसार हैं :

i. माननीय मंत्री (पर्यटन) की अध्यक्षता में राष्ट्रीय चिकित्सा एवं निरोगता पर्यटन बोर्ड का गठन चिकित्सा पर्यटन, निरोगता पर्यटन एवं योग, आयुर्वेद पर्यटन और आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) में समाविष्ट भारतीय चिकित्सा प्रणाली के किसी अन्य स्वरूप के संवर्धन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए विशिष्ट संस्थागत कार्यढांचा प्रदान करने हेतु किया गया है। यह बोर्ड एक ऐसे समावेशी संगठन के रूप में कार्य करता है जो व्यवस्थित तरीके से पर्यटन के इस वर्ग का संवर्धन करता है।

ii. मंत्रालय द्वारा चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ब्रोशर, सीडी और अन्य प्रचार सामग्री तैयार की गई है और इसे लक्षित बाजारों में प्रचार के लिए व्यापक रूप से वितरित और परिचालित किया गया है।

iii. विश्व यात्रा मार्ट, लंदन, आईटीबी, बर्लिन, अरेबियन यात्रा मार्ट आदि जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया है।

iv. 'मेडिकल वीजा' की शुरूआत की गयी है, जो चिकित्सा उपचार के लिए भारत आने वाले विदेशी यात्रियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए दिया जा सकता है। 171 देशों के लिए 'ई-मेडिकल वीजा' भी शुरू किया गया है।

v. पर्यटन मंत्रालय चिकित्सा/पर्यटन सेवा प्रदाताओं और एनएबीएच द्वारा मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा/पर्यटन मेलों, चिकित्सा सम्मेलनों, निरोगता सम्मेलनों, निरोगता मेलों और संबद्ध रोड शो में भाग लेने के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

*****